CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-337
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

होली की हार्दिक शुभकामनाएं
होली के अवसर पर कार्यालय में अवकाश रहेगा
अगला अंक 15 को प्रकाशित होगा -संपादक

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, गुरुवार, 13 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

निगरानी की टीम ने कमरे से दबोचा

पटना के इस फेमस हॉस्पिटल का एकाउंटेंट रिश्वत लेते गिरफ्तार

पटना. पटना में निगरानी विभाग ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल के एकाउंटेंट को 30,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है. यह घटना शास्त्री नगर स्थित अस्पताल की है, जहां आरोपी एकाउंटेंट उदय श्रीवास्तव को निगरानी की विशेष टीम ने रिश्वत लेते हुए पकड़ा है. यह मामला तब सामने आया जब रोहतास जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के धनगाईं गांव निवासी दीपक कुमार ने 28 फरवरी 2025 को निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी.

दीपक कुमार ने बताया कि उनकी पत्नी की मृत्यु कोरोना काल में हो गई थी और उन्हें उनकी पत्नी का बकाया वेतन, ग्रुप बीमा और अन्य सरकारी लाभ दिलाने के लिए एकाउंटेंट उदय श्रीवास्तव 30,000 रुपये रिश्वत की मांग कर रहे थे. शिकायत के आधार पर निगरानी विभाग ने जाल बिछाया और बुधवार को उदय श्रीवास्तव को उनके कार्यालय में 30,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया.

निगरानी की कार्रवाई से LNJP

अस्पताल में मचा हड़कंप

बता दें, बिहार के रोहतास जिले के बिक्रमगंज थाना क्षेत्र के धनगाई गांव निवासी भिखारी ठाकुर के बेटे दीपक कुमार ने निगरानी की टीम से 28 फरवरी 2025 को यह शिकायत दर्ज करायी थी कि पटना के शास्त्रीनगर इलाका स्थित लोकनायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल के लेखापाल उदय श्रीवास्तव घूस मांग रहे थे. उदय श्रीवास्तव को उनके कार्यालय में 30,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया. निगरानी विभाग के मुख्यालय टीम ने यह कार्रवाई की है और मामला दर्ज कर लिया गया है. इस घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मचा हुआ है. बता दें कि बिहार में आए दिन रिश्वतखोरी के मामले सामने आते रहते हैं, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि रिश्वतखोर अपनी आदतों से

बिहार में महिलाएं चलाती दिखेंगी पिंक बस

जानिए क्या है खासियत और कब से होगी इसकी शुरुआत

पटना, अब पटना में महिलाएं बस चलाती हुई नजर आएँगी। पटना के बाद महिलाएं मुजफ्फरपुर, पूर्णिया और भागलपुर में बस चलाएंगी। क्यों कि बिहार में महिलाओं को सुरक्षित सड़क परिवहन की सुविधा प्रदान करने के लिए पिंक बस की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। पहले चरण में पटना में पिंक बस चलेंगी। राज्य सरकार ने विधानमंडल में वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट प्रस्तुत किया, जिसमें इसकी घोषणा की गई थी। यह सेवा अप्रैल महीने में शुरू होने की संभावना है। बसों का रंग गुलाबी रखा गया है, ताकि सड़कों पर पिंक बस को दूर से ही पहचाना जा सके। पिंक बसों का परिचालन बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के द्वारा कराया जाएगा। निगम ने अब तक 20 सीएनजी मिनी बसों की खरीद कर ली है। जानकारी के मुताबिक पटना में 8 पिंक बस चलेगी, जबकि, भागलपुर, मुजफ्फरपुर और पूर्णिया में चार-चार बसें चलाई जाएंगी।

सुरक्षा का रखा गया ख्याल

पिंक बस मुख्यरूप से महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। इस बस कीम खासियत यह है कि इसमें चालक,कंडक्टर और डिपो मेंटेनेंसकर्मी सहित सभी कर्मी महिलाएं ही होंगी। यह मुख्या रूप से महिलाओं की सुरक्षा को देखते हुए किया गया है। एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी सीटों के नीचे एक पैनिक बटन है, जिसे दबाने से आपात स्थिति की सूचना पास के थाने या कंट्रोल रूम को मिल जाएगी।

सुबह 6 से रात 9 बजे तक चलेंगी पिंक बसें

पिंक बसें सुबह 6 बजे से रात नौ बजे तक चलेंगी। बसों का परिचालन शुरू होने के बाद ही इसका किराया तय किया जाएगा। राजधानी पटना में इसका रूट तय हो चुके हैं। फिलहाल ये तीन रूटों पर चलेंगी। इसमें पटना सिटी-दानापुर रूट, बाईपास-कंकड़बाग-राजेंद्रनगर-अनीसाबाद- फुलवारी रूट और बोरिंग रोड-पाटलिपुत्र- कुर्जी, दीघा रूट शामिल है। प्रत्येक पिंक बस में 22 सीटें होंगी। इन बसों में जीपीएस लगे होंगे, जिससे प्रत्येक बस की सटीक लोकेशन हमेशा मिलती रहेगी। किस रूट की बस किस समय कहां पर है इसकी पूरी जानकारी मिलती रहेगी। पिंक बस की हर सीट के नीचे पैनिक बटन होगा जिसका इस्तेमाल महिलाएं किसी भी तरह की परेशानी होने पर कर सकेंगी।

बाल-बाल बचीं; 2 अंगरक्षक जख्मी

भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह की कार को ट्रैक्टर ने मारी ठोकर

बीजेपी की जमुदोनों अंगरक्षक की पहचान गोलू कुमार सिंह व रेपन कुमार के रूप में की गई है। दोनों अंगरक्षक की देखभाल को लेकर अपने खुद विधायक श्रेयसी सिंह लगी रही और डॉक्टरों से बातचीत करती रहीं। दोनों अंगरक्षक को डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार कर उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया। रेफर करने के बाद दोनों को एम्बुलेंस से जमुई भेजा गया।

ई विधायक श्रेयसी सिंह की गाड़ी और ट्रैक्टर में बीते रात जबरदस्त टक्कर हो गई। इस घटना में उनके दो अंगरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि, गनीमत रही कि इस घटना में जमुई विधायक श्रेयसी सिंह बाल-बाल बच गईं। घटना नालन्दा की है , जहां बिंद थाना क्षेत्र के बिहटा-सरमेरा मुख्य मार्ग पर जहाना गांव के समीप यह घटना हुई है। घटना की जानकारी जैसे ही स्थानीय लोगों को मिली कि ग्रामीणों की भीड़ वहां उमड़ पड़ी। स्थानीय लोगों ने इस घटना की जानकारी बिंद थाने को दी। घटना की जानकारी मिलते ही बिंद थाने की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और उनके दो घायल अंगरक्षकों को आनन-फानन में स्थानीय पीएचसी में इलाज के लिए भर्ती कराया।

बताया जा रहा है कि कि भाजपा की विधायक श्रेयसी सिंह पटना से अपने विधानसभा क्षेत्र जमुई जा रही थी। इसी दौरान बिंद थाना क्षेत्र अंतर्गत जहाना मोड़ के समीप ट्रैक्टर व विधायक की गाड़ी में जोरदार टक्कर हो गई , जिसमें विधायक की गाड़ी का अगला भाग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं घटना के उपरांत ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया। इधर थाना प्रभारी चंदन कुमार सिंह ने बताया कि अज्ञात ट्रैक्टर पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। अग्रेत्तर कार्रवाई जारी है। ट्रैक्टर को जल्द जब कर लिया जाएगा।

पीएम आवास योजना के 1.50 लाख लाभार्थियों को नोटिस जारी

सामने आई ये वजह

पटना, बिहार सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के 1.50 लाख से ज्यादा लाभार्थिओं को उनके निजी बैंक खातों में आवश्यक राशि जमा होने के बाद भी पक्के मकान नहीं बनाने या पूरा नहीं करने के लिए नोटिस जारी किया है। बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने बुधवार को विधानसभा में कहा कि विभाग ने उन 19,495 बकाएदारों के खिलाफ 'सर्टिफिकेट केस' भी दर्ज किया है, जिन्होंने कई महीने पहले सरकार द्वारा कुल राशि (सभी किस्तों) को मंजूरी दिए जाने के बावजूद योजना के तहत मकान नहीं बनाए हैं।

श्रवण कुमार ने कहा, कुल 82,441 लाभार्थियों को 'व्हाइट' नोटिस दिया गया, जो विभागीय कार्रवाई से बचने के लिए पक्के मकान बनाने हेतु एक चेतावनी है। इसके अलावा 67,733 लाभार्थियों को 'रेड' नोटिस दिया गया है, जिसका अर्थ है कि बार-बार चेतावनी देने के बावजूद निर्माण पूरा न करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा, रेड' नोटिस के बाद भी अगर लोग नहीं बाज आते हैं तो उनके खिलाफ 'सर्टिफिकेट केस' दायर किया जाता है। विभाग ने 19,495 लोगों के खिलाफ 'सर्टिफिकेट केस' भी दायर किया है।

गांव-देहात में रहने वाले गरीबों को ध्यान में रखकर बनाई गई इस योजना के तहत सभी बुनियादी सुविधाओं के साथ पक्के मकान (जगह का न्यूनतम आकार 25 वर्ग मीटर) उपलब्ध कराए जाते हैं। मैदानी क्षेत्रों में मकान बनाने के लिए 1,20,000 रुपये प्रति इकाई की वित्तीय सहायता दी जाती है जबकि पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों जैसे हिमालयी व पूर्वोत्तर राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर जैसे केंद्र शासित प्रदेश के लिए 1,30,000 रुपये प्रति इकाई की वित्तीय सहायता दी जाती है। योजना की 60 प्रतिशत राशि केंद्र द्वारा प्रदान की जाती है, जबकि शेष 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकारें वहन करती हैं।

बिहार में घोड़े से शराब तस्करी का नया जुगाड़

बिहार में नीतीश सरकार ने पूर्ण शराबबंदी लागू कर रखी है। लेकिन यहां शराब माफिया आए दिन शराब की तस्करी के लिए नया-नया जुगाड़ लगाएंगे। अक्सर बिहार में बस, ट्रेन या फिर कार से शराब पकड़े जाने की घटनाएं होती हैं। लेकिन अब यहां शराब माफियाओं ने शराब तस्करी का नया जुगाड़ लिया है। शराब तस्करों ने तस्करी के लिए घोड़े को अपना नया हथियार बनाया है। पश्चिम चंपारण जिले नौतन में पुलिस ने घोड़े को पकड़ा है।

पुलिस ने दियारा क्षेत्र के अलग-अलग हिस्सों में सघन छापेमारी अभियान चलाकर 75 लीटर विदेशी शराब बरामद किया है। इस दौरान एक घोड़ा और तीन बाइक को जब्त किया है। धंधेबाज घोड़ा, बाइक और शराब छोड़ फरार हो गए।

थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि होली को लेकर पुलिस अधीक्षक बेतिया के दिशा निर्देश पर थाना क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों लगातार सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। बताया कि बुधवार की सुबह विशंभरपुर दियारा और शिवराजपुर स्थित प्लांट के पश्चिम बांसवाड़ी से शराब संग एक घोड़ा और तीन बाइक को जब्त कर कार्रवाई में जुट गई है।

वैशाली के कुख्यात प्रिंस ने रची साजिश

तनिष्क शोरूम लूटकांड का मास्टमाइंड बंगाल की जेल में कैद

भोजपुर, भोजपुर जिले के आरा में स्थित तनिष्क वेलर्स में दिनदहाड़े लूटपाट की वारदात ने बिहार में अपराधियों के बढ़ते मनोबल को दिखाया है। पुलिस अभी 10 करोड़ की इस लूटपाट की पड़ताल में जुटी है। इस बीच पुलिस का दावा है कि पश्चिम बंगाल के बाकुंड़ा जेल में कैद चंदन सिंह उर्फ प्रिंस इस कांड का मास्टरमाइंड है। पुलिस का दावा है कि जेल में वो वर्चुअल नंबर का इस्तेमाल करता है और इसी के जरिए उसने तनिष्क लूटकांड में शामिल अपने गुर्गों से संपर्क साधा था।

वैशाली जिले के बिदुपर के रहने वाले चंदन को लेकर पुलिस का दावा है कि जेल में रहते हुए चंदन ने आरा के तनिष्क शोरूम से सोने और हीरे के गहने लूटने की प्लानिंग तैयार की थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले पुलिस मुख्यालय में मौजूद वरिष्ठ अफसरों का कहना है कि इस लूटकांड के बाद हुए एनकाउंटर में पकड़े गए कुणाल कुमार और विशाल गुप्ता से पूछताछ में चंदन के शामिल होने की पुष्टि हुई है। बता दें कुणाल वैशाली के सोनपुर का और विशाल गुप्ता सारण जिले के दिघवारा का रहने वाला है। दिनदहाड़े लूट की वारदात के बाद के कुछ ही घंटों बाद दोनों को बबुरा थाना इलाके में मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया था। पुलिस ने इनके पास से दो पिस्टल, 10 कारतूस और दो बैग में रखा हुआ लूट का सोना बरामद किया था। इसके अलावा एक मोटरसाइकिल भी इनके पास से जब्त किया गया था। यह मोटरसाइकिल भी चोरी की थी। जिसे वैशाली जिले के जदुआ इलाके से चुराया गया था। शुरुआती जांच में यह भी पता चला है कि कुणाल इससे पहले बिदुपुर इलाके में स्थिति ङ्गङ्गस् बैंक में 48 लाख रुपये की लूटपाट में शामिल था। यह वारदात जनवरी 2021 में हुई थी। इसी तरह विशाल 13 अप्रैल, 2023 को पंजाब नेशनल बैंक के सोनपुर ब्रांच में 12 लाख रुपये की लूटपाट में शामिल था। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों ने चंदन सिंह के नाम का खुलासा किया है। भोजपुर पुलिस ने तनिष्क शोरूम में लूटपाट और एनकाउंटर से जुड़े दो अलग-अलग केस दर्ज किए हैं। पहली एफआईआर असिस्टेंट स्टोर मैनेजर बिनोद कुमार की शिकायत पर 7 लोगों के खिलाफ दर्ज की गई है। इसमें चंदन का नाम भी शामिल है। जबकि दूसरी एफआईआर बड़हरा थाने के एसएचओ शैलेश प्रसाद के बयान पर एनकाउंटर को लेकर दर्ज किया गया है। इसमें पुलिस पर फायरिंग, हथियारों की बरामदगी, बाइक चोरी और गहना लूट की बात कही गई है। अधिकारियों ने हिन्दुस्तान टाइम्स को बताया है कि बिहार एसटीएफ की रडार पर जेल में बंद गैंगस्टर सुबोध सिंह (नालंदा) और निरंतक उर्फ सुशील उर्फ सूरज (वैशाली) पर भी है। सुबोध भी कोलकाता की जेल में बंद है जबकि निरंतक बर्धमान की जेल में कैद है। हाल ही में सुबोध के सहयोगी 26 साल के पंकज पासवान और 29 साल के पासवानको 3 जनवरी को ओडिशा में Manappuram Finance branch में 20 करोड़ का सोना लूटने के आरोप में गुवाहाटी में अलग-अलग जगहों से पकड़ा था। सभी तीनों कुख्यात पश्चिम बंगाल के अलग-अलग जेलों में कैद हैं। लेकिन वो इस तरह की आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने में अपने सिंडिकेट के साथ शामिल रहते हैं। पुलिस को तनिष्क शोरूम लूटकांड में लाइनर या अपराधियों के हिमायतियों की तलाश है। भोजपुर के एसपी राज ने कहा, तनिष्क वेलर्स लूटकांड में कम से कम 6 अपराधियों के शामिल होने की बात कही जा रही है।

हालांकि, पुलिस को आशंका है कि अपराधियों की संख्या 10 हो सकती है। तनिष्क शोरूम में जो सीसीटीवी लगा है उसमें नजर आ रहा है कि स्टोर रूम में एक-एक कर 5 अपराधी सुबह करीब 10.28 मिनट पर घुसे थे। इनमें से एक ने मास्क और हेल्मेट लगा रखा था जबकि अन्य ने अपना चेहरा नहीं ढका था। इससे पहले 21 फरवरी को कर्नाटक पुलिस ने एटीएम कैश वैन से 93 लाख लूटने और गार्ड की गोली मार कर हत्या कर देने से जुड़ी एक वारदात में बिहार पुलिस से मदद मांगी थी। अपराधियों की पहचान फतेहपुर फुलवरिया के रहने वाले अमन कुमार और वैशाली जिले के जनदाहा के रहने वाले आलोक